भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2921

सोमवार, 07 अगस्त, 2023/16 श्रावण, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

महाराष्ट्र में पर्यटन की संभावनाएं

†2921. श्री सुनील बाबूराव मेंढे:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को महाराष्ट्र में पर्यटक आकर्षणों, समुद्र तटों, वन्यजीवों, विरासत स्थलों, ऐतिहासिक स्थलों और मंदिरों से समृद्ध होने के कारण राज्य में पर्यटन की संभावनाओं की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा महाराष्ट्र में पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): जी हाँ, महोदय। पर्यटक स्थलों की पहचान और विकास मुख्य रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र (यूटी) प्रशासनों की जिम्मेदारी है। तथापि पर्यटन मंत्रालय अन्य के साथ-साथ आधिकारिक वेबसाइट और मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडलों के ज़रिए विभिन्न थीमेटिक पर्यटन उत्पादों को हाइलाइट करके महाराष्ट्र सहित भारत के पर्यटक आकर्षणों का संवर्धन करता है। राज्य के महत्वपूर्ण पर्यटक गंतव्यों का मंत्रालय द्वारा तैयार की गई विभिन्न प्रकार की संवर्धनात्मक सामग्री, फिल्मों और अन्य कोलेटरल्स के माध्यम से भी प्रचार किया जाता है।

इसके अतिरिक्त देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए पर्यटन मंत्रालय "स्वदेश दर्शन", "तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) सम्बन्धी राष्ट्रीय मिशन" और "पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता" योजनाओं के अंतर्गत महाराष्ट्र सहित देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों में पर्यटन सम्बन्धी अवसरंचना और सुविधाओं के विकास हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। महाराष्ट्र राज्य में ऊपर उल्लिखित परियोजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं और आवंटित निधियों का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत सिंधुदुर्ग को विकास हेतु गंतव्य के रूप में चिह्नित किया गया है।

****

अनुबंध

महाराष्ट्र में पर्यटन की संभावनाएं के सम्बन्ध में दिनांक 07.08.2023 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †2921 के भाग (क) से (ग) के उत्तर विवरण

स्वदेश दर्शन योजना (करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
1.	महाराष्ट्र	तटवर्ती परिपथ 2015-16	सिंधुदुर्ग तटवर्ती परिपथ- सागरेश्वर, तरकर्ली, विजयदुर्ग (बीच और क्रीक), मितभाव का विकास	19.06	18.11
2.	महाराष्ट्र	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	वाकी - अडासा - धापेवाडा - परदसिंघा - तेलंखंडी - गिराड का विकास	53.96	32.04

प्रशाद योजना (करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
1.	महाराष्ट्र	त्रिम्बकेश्वर, नासिक का विकास	2017-18	52.92	29.85

पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता (करोड़ रु. में)

क्र सं	राज्य	परियोजना का नाम	केंद्रीय एजेंसी	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
वर्ष 2014-15					
1.	विभिन्न राज्य	ग्लास टॉप कोच का निर्माण: • काजीगुंड और बारामूला, जम्मू और कश्मीर • विजाग-अराकू घाटी विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश • दादर-मडगांव रूट (मुंबई से गोवा)	रेल मंत्रालय	12.00	12.00
वर्ष 2016-17					
2.	महाराष्ट्र	एक पर्यटक गंतव्य के रूप में	मुम्बई पोर्ट	15.00	15.00

		कानोजी आंग्रे लाइटहाउस के विकास के लिए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट को केंद्रीय वित्तीय सहायता	ट्रस्ट		
3.	महाराष्ट्र	नांदेड़ रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	5.18	2.59
वर्ष 2017-18					
4.	महाराष्ट्र	इंदिरा डॉक, मुंबई में अंतरराष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/ आधुनिकीकरण।	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	12.50	12.50
5.	महाराष्ट्र	औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	5.71	2.85
वर्ष 2021-22					
6.	महाराष्ट्र	इंदिरा डॉक, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में अंतरराष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/आधुनिकीकरण	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	37.50	30.00

****